चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम – अनुवाद डिप्लोमा

(वर्ष 2019–20 से प्रभावी)

सेमेस्टर प्रथम

1 अनुवाद : परिचय एवं इतिहास
2 अनुवाद:प्रविधि एवं प्रक्रिया
3 अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
4 अनुवाद की समस्याएं

सेमेस्टर द्वितीय

1 अनुवाद के उपकरण
2 अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन
3 व्यावहारिक अनुवाद
4 परियोजना कार्य

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु सामान्य निर्देश

विद्यार्थियों को अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार से परिचित कराना अनुवाद डिप्लोमा का उद्देश्य है। यह पाठ्यक्रम आज के समय में अनुवाद व्यवहार के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान के साथ शिक्षण से जोड़ने की अवधारणा पर केंद्रित है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों/अनुवादकों को अनुवाद अनुशासन में उच्च अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। और अनुवाद कार्य में कौशल को निखारने का अवसर भी देगा। अनुवाद सांस्कृतिक और ज्ञान के आदान–प्रदान का मूलभूत कार्य है। अपने विविध आयामी रूप में यह ज्ञान तक पहुँचने और उसके प्रबंधन में एक मुख्य कारक बन गया है। इन आयामों में ज्ञान की प्राप्ति, संरक्षण, सृजन, प्रसार और अनुप्रयोग भी शामिल है। वैश्विक पटल पर ज्ञान के प्रचार–प्रसार में अनुवाद प्रशिक्षण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

1. अनुवाद डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सत्र में चार विषय से संबंधित अनिवार्य प्रश्न पत्रों को पढ़ाया जाएगा। बाह्य परीक्षाएं विश्वविद्यालय नियमानुसार कुल 100 अंकों की होगी।
2. शिक्षण में आधार सामग्री, आलोचनात्मक सामग्री, शोध पत्र–पत्रिकाओं, साहित्यिक एवं आलोचनात्मक पत्रिकाओं के अलावा संबंधित प्रश्नपत्र में प्रायोगिक अथवा प्रयोगशालाओं पर आधारित अध्ययन भी कराया जाएगा।
3. व्यावहारिक अनुवाद के अन्तर्गत विद्यार्थी अनुवाद से संबंधित अभ्यास करेंगे।
4. परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी फिल्ड वर्क करेंगे और किसी महत्वपूर्ण विषय पर अपनी परियोजना पूरा करेंगे।
5 बाह्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों में पूछे जाने वाले अंक निर्धारण का प्रारूप प्रत्येक पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है। बाह्य परीक्षा के प्रश्न पत्र तदनुरूप रहेंगे।
6. अनुवाद डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सत्र में चार प्रश्न पत्र विषय संबंधी अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे।

शैक्षिक योग्यता : हिंदी और अंग्रेजी के पर्याप्त ज्ञान के साथ किसी भी विषय में स्नातक।
माध्यम : हिंदी और अंग्रेजी
अवधि : न्यूनतम 01 वर्ष

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर प्रथम (प्रश्न पत्र प्रथम)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद : परिचय एवं इतिहास

अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा एवं अनुवाद का स्वरूप।
अनुवाद की परंपरा।
अनुवाद का भारतीय एवं पश्चिमी इतिहास।
अनुवाद की सार्थकता।
अनुवाद :विज्ञान अथवा कला।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर प्रथम (प्रश्न पत्र द्वितीय)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद प्रविधि एवं प्रक्रिया

अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया का अर्थ।
अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन, पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
अनुवाद : स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ तथा पुनर्गठन का अर्थ – संप्रेषण की प्रक्रिया।
अनुवाद – प्रक्रिया की प्रकृति।
अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर प्रथम (प्रश्न पत्र तृतीय)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

अनुवाद के क्षेत्र : कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर प्रथम (प्रश्न पत्र चतुर्थ)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद की समस्यांएं

अनुवाद की समस्याएं : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, वैज्ञानिक एंव तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएं, कोश एवं पारिभाषिक शब्दावली के निमार्ण की समस्याएं, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएं, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएं
(व्याकरण, भाषागत प्रयुक्तियाँ, संकल्पना संबंधी, शब्द चयन संबंधी, मुहावरे व लोकोक्ति संबंधी समस्याएं)

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर द्वितीय (प्रश्न पत्र प्रथम)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद के उपकरण

संकेतात्मकता
कोश
परिभाषिक शब्दावली
थिसारस
कंप्यूटर।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20 = 100 अंक
योग = 100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर द्वितीय (प्रश्न पत्र द्वितीय)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन

अनुवाद : अंतरभाषायी अध्ययन
अंतरसांस्कृतिक अध्ययन
अंतरक्षेत्रीय अध्ययन
सामाजिक सांस्कृतिक सीमा
अनुवाद की उपादेयता

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20 = 100 अंक
योग = 100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर द्वितीय (प्रश्न पत्र तृतीय)

प्रश्न पत्र का नाम – व्यावहारिक अनुवाद

इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि कक्षा में अनुवाद का अभ्यास करेंगे। हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद का अभ्यास अपेक्षित है।

योग = 100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद डिप्लोमा

सेमेस्टर द्वितीय (प्रश्न पत्र चतुर्थ)

प्रश्न पत्र का नाम – परियोजना कार्य

इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी अपने शिक्षक के निर्देशन में एक ऐसी परियोजना पर कार्य करेंगे जो भारत सरकार/उ० प्र० सरकार के मंत्रालयों/विभागों से संबंधित होंगे।

योग = 100 अंक

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम – अनुवाद सर्टिफिकेट
(वर्ष 2019–20 से प्रभावी)

1	अनुवाद : परिचय एवं इतिहास
2	अनुवाद:प्रविधि एवं प्रक्रिया
3	अनुवाद की समस्याएं
4	व्यावहारिक अनुवाद

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु सामान्य निर्देश

विद्यार्थियों को अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार से परिचित कराना अनुवाद सर्टिफिकेट का उद्देश्य है। यह पाठ्यक्रम आज के समय में अनुवाद व्यवहार के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान के साथ शिक्षण से जोड़ने की अवधारणा पर केंद्रित है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों/अनुवादकों को अनुवाद अनुशासन में उच्च अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। और अनुवाद कार्य में कौशल को निखारने का अवसर भी देगा। अनुवाद सांस्कृतिक और ज्ञान के आदान–प्रदान का मूलभूत कार्य है। अपने विविध आयामी रूप में यह ज्ञान तक पहुँचने और उसके प्रबंधन में एक मुख्य कारक बन गया है। इन आयामों में ज्ञान की प्राप्ति, संरक्षण, सृजन, प्रसार और अनुप्रयोग भी शामिल है। वैश्विक पटल पर ज्ञान के प्रचार–प्रसार में अनुवाद प्रशिक्षण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

1. अनुवाद सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के अंतर्गत विषय से संबंधित चार अनिवार्य प्रश्न पत्रों को पढ़ाया जाएगा। बाह्य परीक्षाएं विश्वविद्यालय नियमानुसार कुल 100 अंकों की होगी।
2. शिक्षण में आधार सामग्री, आलोचनात्मक सामग्री, शोध पत्र–पत्रिकाओं, साहित्यिक एवं आलोचनात्मक पत्रिकाओं के अलावा संबंधित प्रश्नपत्र में प्रायोगिक अथवा प्रयोगशालाओं पर आधारित अध्ययन भी कराया जाएगा।
3. व्यावहारिक अनुवाद के अन्तर्गत विद्यार्थी अनुवाद से संबंधित अभ्यास करेंगे।
4. बाह्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों में पूछे जाने वाले अंक निर्धारण का प्रारूप प्रत्येक पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है। बाह्य परीक्षा के प्रश्न पत्र तदनुरूप रहेंगे।

शैक्षिक योग्यता : हिंदी और अंग्रेजी के पर्याप्त ज्ञान के साथ किसी भी विषय में स्नातक।
माध्यम : हिंदी और अंग्रेजी
अवधि : न्यूनतम छः माह

पाठ्यक्रम : अनुवाद सर्टिफिकेट

(प्रश्न पत्र प्रथम)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद : परिचय एवं इतिहास

अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा एवं अनुवाद का स्वरूप।
अनुवाद की परंपरा।
अनुवाद का भारतीय एवं पश्चिमी इतिहास।
अनुवाद की सार्थकता।
अनुवाद : विज्ञान अथवा कला।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद सर्टिफिकेट

(प्रश्न पत्र द्वितीय)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद प्रविधि एवं प्रक्रिया

अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया का अर्थ।
अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन, पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
अनुवाद : स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ तथा पुनर्गठन का अर्थ – संप्रेषण की प्रक्रिया।
अनुवाद – प्रक्रिया की प्रकृति।
अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद सर्टिफिकेट

(प्रश्न पत्र तृतीय)

प्रश्न पत्र का नाम – अनुवाद की समस्याएं

अनुवाद की समस्याएं : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, वैज्ञानिक एंव तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएं, कोश एवं पारिभाषिक शब्दावली के निमार्ण की समस्याएं, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएं, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएं
(व्याकरण, भाषागत प्रयुक्तियाँ, संकल्पना संबंधी, शब्द चयन संबंधी, मुहावरे व लोकोक्ति संबंधी समस्याएं)

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न 5 X 20	=	100 अंक
योग	=	100 अंक

पाठ्यक्रम : अनुवाद सर्टिफिकेट

(प्रश्न पत्र चतुर्थ)

प्रश्न पत्र का नाम – व्यावहारिक अनुवाद

इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि कक्षा में अनुवाद का अभ्यास करेंगे। हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद का अभ्यास अपेक्षित है।

योग	=	100 अंक